हरिभूमि
सागर-चम्बल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, गुरुवार 10 जुलाई 2025

04 तालकोठी बनेगी हेरिटेज लाइब्रेरी, महेंद्र सागर में ...

07 जहां से क्षतिग्रस्त थी पुलिया, वहीं से टूटी चंबल...

खबर संक्षेप

कर्मचारियों ने राष्ट्रव्यापी हड़ताल को समर्थन दिया

सागर। विभिन्न संगठनों द्वारा की गई राष्ट्रव्यापी हड़ताल में नगर निगम कर्मचारी संघ ने भी समर्थन दिया। इस अवसर पर नगर निगम नगर पालिका कर्मचारी संघ के प्रांतीय सचिव राजेश सिंह राजपूत, जिला अध्यक्ष शहीद उद्दीन कुरैशी, इकाई अध्यक्ष, वर्षा समद्र ,नगर निगम कर्मचारी कल्याण मोर्चा के अध्यक्ष हरेंद्र खटीक के नेतृत्व में नगर निगम के सभी कर्मचारियों ने एकत्रित होकर विभिन्न मांगों के संबंध में ज्ञापन सौपा।

श्री सिद्धेश्वर उद्यान में किया पौधरोपण

सागर। विधायक शैलेंद्र कुमार जैन ने अपने प्रतिदिन पौधारोपण अभियान के अंतर्गत आज शिवाजी वार्ड स्थित श्री सिद्धेश्वर उद्यान में विधायक शैलेंद्र कुमार जैन, भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी, नगर निगम अध्यक्ष वृंदावन अहिरवार के द्वारा स्थानीय जन प्रतिनिधियों एवं नागरिकों के साथ पौधारोपण किया। उल्लेखनीय है कि विधायक जैन ने इस बारिश के मौसम में प्रतिदिन पौधारोपण का संकल्प लिया है और लोगों से एक वर्ष में कम से कम 50 पौधे लगाने का आग्रह किया है। इसी कड़ी में उन्होंने श्री सिद्धेश्वर उद्यान पहुंचकर पौधारोपण किया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष अमित बैसाखिया, विक्रम सोनी, मनीष चौबे, हेमंत यादव, सुबोध पाराशर, प्रासुख जैन, मनोज चौरसिया, राहुल वैद्य, सुमित यादव, रामकृष्ण आठिया, शैलेंद्र यादव, दीपक दुबे सहित स्थानीय लोग उपस्थित थे।

जिले में अब तक 370. 9 मिमी औसत वर्षा दर्ज

सागर। सागर जिले में इस वर्षा सीजन में अभी तक 370.9 मि.मी. औसत बारिश दर्ज की गई है। जिले में स्थापित वर्षामापी केन्द्रों के रिकार्ड के अनुसार एक जून से आज तक राहतगढ़ केन्द्र पर सर्वाधिक 523.2 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है। अधीक्षक, भू-अभिलेख कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार जिले में स्थापित विभिन्न वर्षामापी केन्द्रों में एक जून से आज तक सागर केन्द्र में 333.3 मि.मी., जैसीनगर में 284.8 मि.मी., राहतगढ़ में 523.2 मि.मी., बीना में 276.8 मि.मी., खुरई में 352.8 मि.मी, मालथौन में 291.5 मि.मी., बण्डा में 411.4 मि.मी, शाहगढ में 372.8 मि.मी, गढ़ाकोटा में 414.0 मि.मी, रहली में 404.4 मि.मी, देवरी में 349.6 मि.मी. तथा केसली में 435.9 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है।

कलेक्टर ने किया जिले के निजी स्कूलों के प्राचार्य से सीधा संवाद

फीस, टीसी के अभाव में कोई भी बच्चा प्रवेश से वंचित न रहे स्कूल बसों को हमेशा अपडेट रखें: कलेक्टर संदीप जी आर

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

स्कूल फीस, टीसी के अभाव में कोई भी बच्चा प्रवेश से वंचित न रहे, स्कूल बसों को हमेशा अपडेट रखें सभी बसों में सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से लगाए एवं शासन की योजनाओं का शतप्रतिशत लाभ विद्यार्थियों को दें, साथ ही विद्यार्थियों के बस्ते का वजन कम करने के लिए विद्यार्थियों के लिए स्कूल में लॉकर्स की सुविधा को उपलब्ध कराएँ, साथ ही मॉर्निंग असेंबली में बच्चों को सभी सकारात्मक शिक्षा दें, विद्यालय में छात्राओं के लिए काउंसलिंग कक्ष बनाएं, गुडटच बेडटच की जानकारी दें। उक्त निर्देश कलेक्टर संदीप जी आर ने शिक्षा विभाग के द्वारा आयोजित निजी विद्यालयों के प्राचार्यों की बैठक में दिए। इस अवसर पर कलेक्टर संदीप जी आर ने सभी से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी और उनका मौके पर ही निराकरण करने की निर्देश दिए।

कलेक्टर संदीप जी आर ने प्राचार्यों से कहा कि कोई भी विद्यार्थी को फीस एवं टीसी के अभाव में प्रवेश से वंचित न किया जाए, इसी प्रकार गणवेष एवं पुस्तकों के लिए भी किसी निश्चित दुकान से लेने के लिए बाध्य न किया जाए। उन्होंने कहा कि 3 वर्ष के पहले किसी भी विद्यालय की गणवेष भी न बदली जावे। उन्होंने कहा कि सभी विद्यालयों में लगी स्कूल बसों में केयरटेकर के साथ सीसीटीवी कैमरे भी मौजूद रहे। यदि इसके बाद भी किसी विद्यालय की शिकायत प्राप्त होती है तो संबंधित पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी से कहा कि समय-समय पर सभी निजी विद्यालयों की मॉनिटर भी की जावे। उन्होंने कहा कि सभी विद्यालयों में कक्षा 1 से 12 तक की छात्राओं के लिए काउंसलिंग कक्ष बनाएं एवं पॉस्को पेटी लगाएं जिससे उनकी समस्याओं को समझा जा सके और उनको सुनकर उनका निराकरण करें। उन्होंने कहा कि काउंसलिंग कक्ष में काउंसलिंग करने के बाद यदि कोई समस्या होती है तो तत्काल इसकी जानकारी संबंधित छात्रा के अभिभावक एवं वरिष्ठ अधिकारियों को दें। कलेक्टरने कहा कि सभी विद्यालय विद्यार्थियों को स्टडी टूर कराएं जैसे बैंक, पोस्ट ऑफिस, विश्वविद्यालय, कलेक्ट्रेट, कमिश्नरी ऑफिस, औद्योगिक क्षेत्र का भ्रमण अवश्य कराएं और विस्तार से उनको जानकारी दें। उन्होंने कहा कि शासन की श्रेष्ठ योजना के तहत सभी विद्यालय कार्य करें जिसमें अनुसूचित जाति वर्ग के बच्चों को गुणवत्ता युक्त शिक्षा अधिकार उनके समग्र विकास है। उन्होंने निर्देश दिए की सभी प्राचार्य एवं शिक्षक विद्यालय संचालन के समय में कोई लापरवाही न रखें।

कलेक्टर संदीप जी आर ने कहा कि मॉर्निंग असेंबली में प्रतिदिन सभी बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य, सफाई, जिले की जानकारी, अखबारों में प्रकाशित जानकारी एवं प्रत्येक दिन किसी भी आमंत्रित अतिथि का उद्बोधन अवश्य कराएं और अन्य जानकारी प्रदान करें। उन्होंने कहा कि सभी प्राचार्य अपने-अपने विद्यालय से कम से कम एक-एक डॉक्टर, इंजीनियर बनाने की तैयारी करें और इसके लिए अपने-अपने विद्यालयों में सेल्फी प्वाइंट बनाएं और बच्चों को जानकारी दें। उन्होंने कहा कि सभी विद्यालयों में पूर्व छात्रों जो कि आज की स्थिति में जो बड़े पद पर हैं उनकी जानकारी फोटो सहित चश्पा करें जिससे बच्चों का मनोबल बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि पूर्व छात्रों का एक व्हाट्सएप ग्रुप भी बनाएं और इसमें विद्यालय के बच्चों को भी जोड़ें जिससे उनको उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त हो सकेगी। उन्होंने निर्देश दिए की सभी विद्यालयों में समय-समय पर स्वास्थ्य शिविर लगे और सभी बच्चों का स्वास्थ्य का परीक्षण करें उन्होंने कहा कि सभी बच्चों को पौष्टिक भोजन की जानकारी दें इसी प्रकार उन्होंने कहा कि सभी बच्चों को यातायात ट्रैफिक की जानकारी की प्रदान करें और कहा कि यदि आप वहन से चलते हैं तो हेलमेट, सीटबेल्ट अवश्य पहनें। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार विद्यालय में इंटरनेट के माध्यम से शिक्षाप्रद जानकारी लेकर बच्चों को प्रदान करें और नवाचार के साथ शिक्षा दें।

कलेक्टर संदीप जी आर ने समीक्षा बैठक में उपस्थित प्राचार्यों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनी प्राचार्यों ने अपनी सभी समस्याओं को बताया जिस पर उन्होंने तत्काल दूर करने की निर्देश दिए।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक के वी कहा कि सभी प्राचार्य अपने अपने विद्यालयों में शैक्षणिक कार्य की साथ-साथ व्यावहारिक अध्ययन भी कराएं। उन्होंने कहा कि स्मार्ट बनने के लिए अच्छी शिक्षा आवश्यक है इसलिए अच्छी शिक्षा लेकर स्वावलंबी एवं आत्मनिर्भर बने।

अपर कलेक्टर रुपेश उपाध्याय ने कहा कि शासन की योजना पर्यटन क्विज में अधिक से अधिक पंजीयन कराएं। उन्होंने कहा कि पर्यटन क्विज प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है एवं जो इसमें चयनित होते हैं उनको प्रदेश की प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पर अध्ययन के लिए ले जाया जाता है। जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद जैन ने शिक्षा विभाग के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। अभय श्रीवास्तव ने शासन की योजनाओं के संबंध में बताया।

नेशनल में गोल्ड हासिल करने वाली आयुषी अब जापान में करेंगी देश का प्रतिनिधित्व

सागर। हिमेजी जापान में 5 से 14 जुलाई तक होने जा रही एशिया अफ्रीका पेसिफिक अंतरराष्ट्रीय पॉवर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में सागर की आयुषी अग्रवाल देश का प्रतिनिधित्व करने जा रही हैं। आयुषी 76 किलोग्राम वर्ग में हिस्सा लेंगी। जिसके लिए वे मंगलवार को दिल्ली से जापान के लिए रवाना हुईं। सागर के सराफा व्यापारी अशोक अग्रवाल की बेटी आयुषी ने इससे पहले भी नेशनल चैंपियनशिप में कई मुकाम हासिल किए हैं। जिसमें उन्होंने 417.5 किलोग्राम वजन उठाकर अपना रिकॉर्ड बनाया था। उनके पास नेशनल चैंपियनशिप में एक गोल्ड, दो सिल्वर और एक कांस्य पदक है। लेकिन यह पहली बार है जब आयुषी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने खेल का प्रदर्शन करेंगी। आयुषी की इस सफलता से उनके परिवार और मित्रों में खुशी का माहौल है। लेकिन इस सबके पीछे आयुषी की कड़ी मेहनत भी है। इस खेल की बारीकियां सीखने के लिए उन्होंने दो वर्षों तक रोजाना 160 किमी का सफर तय किया है। आयुषी बताती हैं कि उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए 3 साल पहले जिम ज्वाइन किया था। इसी दौरान इन्हें पॉवर लिफ्टिंग खेल के बारे में जानकारी मिली। जिसके बाद आयुषी का रुझान इस खेल की ओर बढ़ा। शुरुआत में जिला स्तरीय और संभाग स्तरीय खेलों में सफलता भी हासिल हुई। लेकिन राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की तैयारी के लिए सागर में सुविधाओं का अभाव था। जिसके बाद उन्होंने सागर से 80 किमी दूर बीना में रहने वाले कोच शैलेंद्र एडविन से संपर्क किया और वे आयुषी को प्रेक्टिस कराने के लिए तैयार हो गए। लेकिन इसके लिए आयुषी को हर दिन सागर से बीना और बीना से सागर करीब 160 किमी का सफर तय करना होता था। आयुषी की दिन रात की मेहनत का नतीजा है कि उन्हें यह मुकाम हासिल हुआ है। यदि वे खेल में पदक जीतती हैं तो देश के साथ सागर के लिए भी गौरव की बात होगी।

दिव्यांग छात्र-छात्रों को मिले उपकरण

रहली। जनपद शिक्षा केंद्र रहली द्वारा संदीपनी स्कूल सभागार में दिव्यांग बच्चों को उपकरण वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें लगभग पचास छात्रों को व्हील चेयर, सीपी चेयर, कान की मशीन, टी एल एम किट, बैसाखी आदि उपकरण वितरित किए गए। कार्यक्रम में शुभारंभ में अतिथियों द्वारा सरस्वती पूजन किया गया। अतिथि स्वागत उपरांत संबोधन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में भाजपा नेता राजेंद्र जारोलिया मुख्य अतिथिजी और बीआरसी आरडी अहिरवार की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। आयोजित कार्यक्रम में बीईओ सुश्री स्वाति दुबे, बीएसी कमल जैन, लीलाधर जाटव, जनशिक्षक पवन पाण्डेय, दीपक मिश्रा, राजेन्द्र घोषी, जितैन्द साहू, राजेश जैन, राजेश तिवारी उपस्थित रहे। एमआरसी संगीता जैन, दीपेश जैन ने जानकारी दी। संचालन दीपक मिश्रा आभार पवन पाण्डेय ने व्यक्त किया।

भिक्षावृत्ति रोकथाम अभियान शुरू

सागर। कलेक्टर ने निर्देश दिए थे कि संपूर्ण जिले में भिक्षावृत्ति की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया जावे और किसी भी स्थिति में कोई भी बच्चा किसी भी चौराहे पर भिक्षावृत्ति करता नहीं पाया जाए। इसी परिपेक्ष में महिला एवं बाल विकास अधिकारी राजपूत के द्वारा कार्रवाई की जा रही है और सागर सहित अन्य विकास खंडों में अभियान चलाया जा रहा है। विशेष किशोर पुलिस इकाई की संयुक्त टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, कटरा बाजार इत्यादि स्थानों में बाल भिक्षावृत्ति करने वाले बच्चों का गहन सर्वे किया गया। बाल भिक्षावृत्ति रोकथाम हेतु सहयोग करने एवं बच्चों को भिक्षा ना देने की विनम्र अपील के साथ जन सामान्य को बाल भिक्षावृत्ति के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया।

घटिया निर्माण की भेंट चढ़ा 98 करोड़ का सागर रहली मार्ग, ठेकेदार को बचाने जुटे अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रहली

स्टेट हाइवे पर नगरीय क्षेत्र में बायपास से बस स्टैंड तक बनी सीसी सड़क चंद दिनों में उखाड़ने लगी हे, सड़क के दोनों किनारों पर बनी पटरिया जमीन में धसने लगी है, बारिस के पानी से साइड से मिट्टी खिसकने लगी है, वही सड़क के दोनों किनारों पर बनी नालियों के पानी निकासी हेतु जहां नाली का मुहाना है वहां सड़क की सेफ्टी होती दीवाल नहीं बनाए जाने से सड़क के नीचे की मिट्टी ढहने लगी है। घटिया निर्माण के चलते करोड़ों की लागत से निर्मित सड़क पहली ही वारिस में दम तोड़ने लगी है। नगर वासियों को मिली सौगात का इस तरह एक साल के भीतर ही दम तोड़ने नगर वासियों को रास नही आ रहा है।

ठेकेदार द्वारा सड़क का निर्माण और तकनीक दोनों घटिया स्तर पर रखे है, सड़क की चौड़ाई को कही सकरा कही चौड़ा कर दिया हे। एमपीआरडीसी के अधिकारी दिन रात यहां से गुजरते हे लेकिन इस और नजर करने से बचते नजर आते हे।सड़क निर्माण को लेकर आम जनता में भी आक्रोश देखा जा रहा हे।ठेकेदार और एमपीआरडीसी के अधिकारियों की करतूत के चलते शासन को नुकसान तो हो ही रहा हे, साथ ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों की साख पर भी बट्टा लगेगा। चित्र में देख सकते हे किस तरह सड़क घटिया निर्माण की भेंट चढ़ रही हे। अभी सड़क निर्माण का काम भी पूरा नहीं हुआ हे। देखना होगा कि जिम्मेदार दोषी व्यक्तियों पर कार्यवाही करते हे या जनता का पैसा यू ही पानी में बहने दिया जाएगा।

इस संबंध में एमपीआरडीसी के इंजीनियर सुमित त्रिपाठी का कहना हे कि आपके माध्यम से पटरिया उखाड़ने की जो सूचना मिली है जल्द ही उनका मेंटिनेंस कराया जाएगा। और नाली के मुहाने पर मिट्टी धसकने वाली जगह भी सुधार कार्य कराया जाएगा। लेकिन चंद महीनों में सड़क की यह हालत होने पर कुछ भी कहने से बचते नजर आए।

हनुमान जी को चढ़ाए गए लाल निशान नपा अध्यक्ष देवराज ने घुमाए मुगद्दर

रहली। आषाढ़ के चौथे मंगल पर नगर के सभी देव हनुमान मंदिरों में भक्तों द्वारा निशान चढ़ाए गए। विभिन्न स्थानों से भक्तों द्वारा जुलूस,अखाड़े,डीजे बैंड बाजे के साथ हनुमान जी की सुंदर झांकी भी शोभायात्रा में निकाली गई। नगरपालिका अध्यक्ष देवराज सोनी भी अखाड़े में करतब दिखाते नजर आए। शोभायात्रा होटल रामराजा पैलेस से भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जो चांदपुर तिराहा से किले वाले हनुमान जी मंदिर पहुंची जहां ध्वज चढ़ाया गया। इस अवसर पर पार्षद गण और अनेक भक्त गण शामिल हुए।

18 जुलाई को खुरई विधानसभा क्षेत्र में लगेंगे 50 हजार पौधे

वृहद वृक्षारोपण को लेकर पूर्व गृहमंत्री खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह ने अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों की संयुक्त बैठक ली

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

खुरई विधानसभा क्षेत्र में आगामी 18 जुलाई को एक ही दिन में 50 हजार वृक्ष लगा कर वृहद वृक्षारोपण का रिकॉर्ड बनाया जाएगा। इस वृहद वृक्षारोपण अभियान की कार्ययोजना के प्रमाणिक क्रियान्वयन के लिए खुरई विधानसभा क्षेत्र के सभी जनप्रतिनिधियों, भाजपा पदाधिकारियों और अधिकारियों की संयुक्त बैठक पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में हुई जिसमें परस्पर समन्वय के साथ यह लक्ष्य हासिल करने का संकल्प लिया गया साथ ही वार्डों और पंचायतों के स्तर तक वृक्षारोपण कार्यक्रम के प्रभारी नियुक्त किए गए। संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व गृहमंत्री सिंह ने कहा कि हम सभी को मिलकर समाज, राष्ट्र और स्वयं अपने जीवन के कल्याण के लिए यह महत्वपूर्ण कार्य करना है। सभी अधिकारी, जनप्रतिनिधि योजना बनाकर व्यवस्थित रूप से प्रचार प्रसार करते हुए पर्यावरण संरक्षण व जल संरक्षण के इस अभियान को संचालित करेंगे। उन्होंने बताया कि खुरई विधानसभा क्षेत्र में 50 हजार वृक्ष लगाने के लिए 18 जुलाई का दिन इसलिए चुना गया क्योंकि डा हरी सिंह गौर ने इसी दिन 18 जुलाई,1946 को सागर विश्वविद्यालय की स्थापना की थी जो आज दान और पर्यावरण संरक्षण का सबसे बड़ा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि इस वृक्षारोपण अभियान में स्कूल व कालेज के विद्यार्थियों की बड़ी भूमिका होना चाहिए। सभी नगरपालिका, नगर परिषदों व जनपद पंचायतों के सीईओ शिक्षा विभाग के अधिकारियों बीईओ, बीआरसी से मिल कर यह सुनिश्चित करें कि जिन चिन्हित व चयनित स्थानों पर वृक्षारोपण की व्यवस्था की गई है उनको विद्यार्थियों को संख्या वार आवंटित करें। वृक्षारोपण के लिए पूर्व से तैयार किए गए स्थलों पर प्रत्येक विद्यार्थी एक वृक्ष का रोपण करे। इससे वृक्षों के महत्व व वृक्षारोपण को लेकर आने वाली पीढ़ी का जागरण हो सके। पूर्व मंत्री सिंह ने सुझाव दिया कि वृक्ष लगाने वाले सभी विद्यार्थियों, अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों से कहें कि वे वृक्ष लगाते हुए अपनी फोटो सोशल मीडिया पर जरूर डालें। साथ ही विगत वर्षों में जो वृक्ष लगाए हैं उनके सुरक्षित रूप से बड़े होने की तस्वीरें भी लें और उन्हें सोशल मीडिया पर पोस्ट करें। पूर्व गृहमंत्री सिंह ने कहा कि हम सभी को मिलकर एक दिन में वृक्षारोपण करके खुरई को इस क्षेत्र में भी नंबर वन बनाएंगे। जब जनप्रतिनिधि, अधिकारी कर्मचारी मिल कर परिश्रम करते हैं तभी ऐसी उपलब्धियां अर्जित होती हैं। उन्होंने कहा कि खुरई विधानसभा क्षेत्र में विगत वर्षों में लगभग सभी स्कूलों, अस्पतालों, थानों शासकीय संस्थाओं के भवनों की बाउंड्री वाल बनाई गई हैं। इनमें सभी में वृक्षारोपण, वृक्षों की सुरक्षा और देखभाल की बड़ी संभावना है। इन सभी को इस वृक्षारोपण कार्यक्रम में शामिल करें। उन्होंने बैठक में उपस्थित फारेस्ट विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में जहां वन भूमि है वहां वृक्षारोपण के लिए सुरक्षित स्थान चिन्हित करें, वहां गड्ढे कराएं व पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि ट्री गार्ड, जाली, फेंसिंग या बाउंड्री वाल, फारेस्ट की बाउंड्री के भीतर की जगहों पर प्राथमिकता से वृक्षारोपण करें। सड़कों के किनारे ट्री गार्ड के साथ ही वृक्षारोपण करें।

पूर्व मंत्री सिंह ने कहा कि क्षेत्र में ऐसे स्थान भी चिन्हित करें जहां जलभराव किया जा सकता है, जहां वर्षा जल बह कर निकल जाता है वहां पानी को रोकने के लिए स्थानीय स्तर पर अस्थाई संरचनाएं बनाएं। ऐसी जगहों पर यदि कुछ दिन या कुछ महीने ही पानी रोका जा सके तो उस क्षेत्र के जल स्तर में सुधार होने लगता है। मिट्टी से, बोरी बंधान से ही पानी को रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जल गंगा संवर्धन अभियान सफलतापूर्वक चलाया है और अब उन्होंने एक बगिया मां के नाम कार्यक्रम आरंभ किया है जिसमें अपनी मां के नाम सभी वृक्ष लगाएंगे और ऐसे बागों की देखभाल और सुरक्षा के लिए दो लाख रुपए की सहायता सरकार की ओर से मिलेगी। इंदौर में भी एक पितृ छाया पार्क है जहां अपने परिवार के दिवंगत बुजुर्गों के नाम लोगों ने वृक्ष लगाए हैं और उन वृक्षों के पास तिथि त्यौहारों पर परिजन भेंट करने दीपक रखने जाते हैं।

कारीगरों को सहायता देने पीएम विश्वकर्मा योजना

सागर। पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को सहायता देने के लिये पीएम विश्वकर्मा योजना शुरू की गई है। योजना में टूल किट खरीदने के लिये 15 हजार रूपये का अनुदान मिलेगा। साथ ही पहली बार में एक लाख और दूसरी बार में 2 लाख रूपये का सस्ता ऋृण मिलेगा। प्रारंभिक प्रशिक्षण 5 से 7 दिन का और 15 दिन का एडवांस प्रशिक्षण दिया जायेगा।

ओलंपस स्कूल ने मनाया 12वां स्थापना दिवस विद्यार्थियों को सम्मानितकर किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ⏭ विदिशा

सागर रोड स्थित ओलम्पस हाई स्कूल ने अपने 12वें स्थापना दिवस पर भव्य समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर अंशुल गुप्ता मुख्य अतिथि, एडिशनल एसपी प्रशांत चौबे विशिष्ट अतिथि और एसएटीआई डायरेक्टर डॉ. वाईके जैन विशेष अतिथि रहे।

कलेक्टर गुप्ता ने स्कूल के प्रयासों की सराहना करते हुए बच्चों को अच्छे नागरिक बनने की प्रेरणा दी। प्रशांत चौबे ने शिक्षा के सही मायने समझाए, वहीं डॉ. जैन ने संस्थान को प्रगति के पथ पर बढ़ते रहने का आशीर्वाद दिया। समारोह में 10वीं और 12वीं कक्षा के उत्कृष्ट विद्यार्थियों का सम्मान किया गया।

प्रख्यात कलाकार शरद शबल की वर्कशॉप से प्रेरित बच्चों ने नाटक प्रस्तुत किया, जिसे खूब सराहा गया।

पिछले दिनों रक्तदान करने वाले लोगों को भी मंच से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में लायंस क्लब आनंदपुर सदगुरु के पदाधिकारियों और स्कूल परिवार द्वारा पौधरोपण किया गया। संचालक मोहित रघुवंशी ने स्कूल की उपलब्धियां साझा कीं। समारोह में कई गणमान्य नागरिक, अभिभावक और अतिथि उपस्थित रहे।

ऐतिहासिक धरोहरों को संवारा जाएगा, पर्यटन और संस्कृति को मिलेगी नई पहचान

तालकोठी बनेगी हेरिटेज लाइब्रेरी, महेंद्र सागर में जल्द शुरू होगा बोट क्लब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ टीकमगढ़

जिले में पर्यटन और संस्कृति को नया आयाम देने की दिशा में प्रशासनिक पहल तेज हो गई है। बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं सांस्कृतिक परिषद की कार्यकारिणी बैठक में ऐतिहासिक स्थलों को संरक्षित कर उन्हें विकास से जोड़ने की कार्ययोजना रखी गई। बैठक में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में जिले में पर्यटन के विभिन्न संभावित स्थलों की जानकारी प्रजेंटेशन के माध्यम से साझा की गई और उनके अभिमत भी आमंत्रित किए गए। बैठक में तालकोठी को हेरिटेज लाइब्रेरी और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विकसित करने की घोषणा की गई। बताया गया कि तालकोठी की मूल संरचना को यथावत रखते हुए उसे शोध, सांस्कृतिक गतिविधियों और साहित्यिक संवाद का स्थायी केंद्र बनाया जाएगा। इसके लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन शासन को भेजा जा चुका है, स्वीकृति मिलते ही निर्माण कार्य प्रारंभ होगा।

महेन्द्र सागर तालाब को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की दिशा में भी बैठक में व्यापक चर्चा हुई। यहां शीघ्र ही बोट क्लब और वॉटर स्पोर्ट्स गतिविधियों की शुरुआत की जाएगी। प्रारंभिक रूप से तीन माह का प्रायोगिक प्रोजेक्ट लागू किया जाएगा, जिसे लेकर जनप्रतिनिधियों ने सहमति दी है। इसके अलावा तालाब के लंका क्षेत्र में फूड कोर्ट या रेस्टोरेंट विकसित करने का प्रस्ताव रखा गया, जिस पर सभी ने सकारात्मक सहमति जताई। जिले में कला, शिल्प और संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में भी कई सुझाव सामने आए। बैठक में यह बात उभरकर सामने आई कि टीकमगढ़ में बुंदेली हाट और क्राफ्ट मार्केट की अपार संभावनाएं हैं। पीतल, टेराकोटा, बेंत-बांस और पारंपरिक वस्त्रों जैसे शिल्प कार्यों के लिए कलाकारों को मंच और बाजार उपलब्ध कराना ज़रूरी है। इसके लिए नगर के भीतर एक स्थायी क्राफ्ट हब विकसित किया जाएगा, जिसमें स्थानीय कारीगरों को सशक्त किया जा सकेगा। कला और संस्कृति से जुड़े स्थानीय कलाकारों की पहचान कर उन्हें प्रशिक्षण, मंच और आर्थिक प्रोत्साहन देने की दिशा में भी प्रशासन कदम उठाएगा, जिससे पारंपरिक हुनर के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी सृजित किए जा सकें। इसी क्रम में कुण्डेश्वर के पास स्थित खैराई वन क्षेत्र को वन विभाग के सहयोग से वन्य प्राणी अनुभव क्षेत्र के रूप में विकसित करने की योजना भी सामने रखी गई है। यह क्षेत्र जंगल सफारी और जैव विविधता को नजदीक से जानने के लिए एक नया आकर्षण केंद्र बनेगा।

बैठक में जिले के संग्रहालयों और राज्य संरक्षित स्थलों के रख-रखाव, संरक्षण और प्रचार-प्रसार के लिए बनाई गई कार्ययोजना पर भी चर्चा हुई। जनप्रतिनिधियों ने इसमें रुचि दिखाते हुए अपने सुझाव दिए और प्रशासन को क्षेत्रीय धरोहरों के संरक्षण के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

जिले में लंबे समय से उपेक्षित रही पर्यटन और संस्कृति की संभावनाएं अब नई ऊर्जा के साथ दिशा पा रही हैं। प्रशासन की यह पहल न केवल विरासत को सहेजने की दिशा में अहम साबित होगी, बल्कि पर्यटन के जरिए स्थानीय रोजगार, पहचान और गौरव को भी नया आधार देगी।

55 से 60 साल पुराना था भवन, घटना में नहीं हुई जनहानि

ग्रापं लार में ढहा मतदान केंद्र भवन, जर्जर प्राथमिक शाला में बच्चों की जान जोखिम में

हरिभूमि न्यूज ▶▶ टीकमगढ़

जिले की ग्राम पंचायत लार में तेज बारिश के कारण वर्षों पुराना शासकीय माध्यमिक शाला भवन भरभरा कर ढह गया। यह भवन पिछले कई वर्षों से निष्क्रिय पड़ा था और इसका उपयोग केवल लोकसभा, विधानसभा एवं पंचायत चुनावों में मतदान केंद्र के रूप में किया जाता था। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, लेकिन इस गिरते ढांचे ने एक बार फिर ग्रामीण अंचलों में जर्जर सरकारी भवनों की हकीकत उजागर कर दी है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि यह भवन लगभग 55 से 60 वर्ष पुराना था और लंबे समय से अपनी अंतिम सांसें गिन रहा था। इसकी हालत बद से बदतर हो चुकी थी, लेकिन फिर भी इसे कभी मरम्मत या ध्वस्तीकरण की दिशा में गंभीरता से नहीं लिया गया।

इस भवन में किसी प्रकार की कक्षाएं संचालित नहीं होती थीं, न ही कोई शासकीय कार्य होता था। प्रशासन ने यह स्पष्ट किया है कि भवन के गिरने से कोई नुकसान नहीं हुआ है और जनता से अपील की गई है कि किसी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें। लेकिन इस खबर की गंभीरता यहीं समाप्त नहीं होती। लार पंचायत में स्थित प्राथमिक शाला, जहां अब भी पहली से पांचवीं तक की कक्षाएं संचालित हो रही हैं, उसकी स्थिति भी बेहद जर्जर है। दीवारें दरक रही हैं, छतें सीलन से टपक रही हैं और बच्चों के लिए वहां बैठना किसी खतरे से कम नहीं। बावजूद इसके, विद्यालय का संचालन बदस्तूर जारी है। पंचायत सचिव राजेन्द्र पटेरिया ने बताया कि इस भवन की दयनीय हालत की जानकारी जिला प्रशासन को दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। स्थिति की गंभीरता इस बात से और बढ़ जाती है कि पंचायत में चिन्हित पांच मतदान केंद्रों में से चार भवनों की हालत भी बेहद खराब है। यदि समय रहते इन भवनों की मरम्मत या वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई, तो आगामी चुनावों में ये केंद्र स्वयं खतरे की जमीन पर खड़े होंगे। गांव के लोग सवाल उठा रहे हैं कि क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है? क्या बच्चों की जान की कोई कीमत नहीं है? यह लापरवाही केवल एक भवन का गिरना नहीं, बल्कि उस सोच का गिरना है जो ग्रामीण विकास को केवल कागजों में देखती है।

15 हजार का समन शुल्क वसूला

टीकमगढ़ पुलिस का सघन सड़क सुरक्षा अभियान

टीकमगढ़। जिले में यातायात नियमों की अनदेखी अब भारी पड़ रही है। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर जिलेभर में चलाया जा रहा विशेष सड़क सुरक्षा अभियान पूरी सख्ती के साथ जारी है। पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के नेतृत्व में चल रहे इस अभियान का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं को रोकना, ट्रैफिक नियमों की अनिवार्यता को लागू करना और लापरवाह वाहन चालकों पर कानूनन शिकंजा कसना है। 8 जुलाई को जिले के प्रमुख चौराहों और अंतरराज्यीय सीमाओं पर चेकिंग प्वाइंट्स स्थापित किए गए, जहां अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीताराम और एसडीओपी टीकमगढ़,जतारा के मार्गदर्शन में एक साथ कार्रवाई की गई। इस दौरान कुल 384 वाहनों की जांच की गई और ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले 46 वाहन चालकों से कुल 15 हजार का समन शुल्क वसूला गया। जांच के दौरान मुख्य रूप से दोपहिया, चारपहिया वाहनों और यात्री बसों के दस्तावेजों की विधिवत जांच की गई। इनमें फिटनेस सर्टिफिकेट, वैध परमिट, बीमा दस्तावेज, प्रदूषण प्रमाणपत्र और संशोधित साइलेंसर की स्थिति शामिल थी। इसके अलावा बिना हेलमेट, सीटबेल्ट न पहनने वालों और यातायात संकेतों की अवहेलना करने वालों पर भी कड़ी नजर रखी गई। वाहन चालकों को ट्रैफिक नियमों के पालन की समझाइश देते हुए पुलिस ने गुड सेमेरिटन योजना और गोल्डन ऑवर्स नीति की जानकारी भी दी, ताकि दुर्घटनाग्रस्त लोगों को समय रहते सहायता मिल सके और अधिकतम जीवन रक्षा सुनिश्चित की जा सके। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया है कि यह अभियान जिले में निरंतर जारी रहेगा और ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों को अब बख्शा नहीं जाएगा। यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए मोटरयान अधिनियम के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी। टीकमगढ़ पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे ट्रैफिक नियमों का ईमानदारी से पालन करें, सभी आवश्यक दस्तावेज वाहन के साथ रखें और वाहन चलाते समय पूर्ण सतर्कता बरतें। नियमों की अनदेखी केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि अपने और दूसरों के जीवन को खतरे में डालने जैसा अपराध है।

टूटते रिश्तों को जोड़ रही टीकमगढ़ पुलिस, दो और परिवारों में लौटी सुलह की रोशनी

टीकमगढ़। जिले में पारिवारिक विवादों के निपटारे को लेकर पुलिस द्वारा अपनाई जा रही मानवीय पहल अब परिणाम देने लगी है। हाल ही में जिले के दो ऐसे परिवार, जो बिखरने की कगार पर थे, पुलिस की मध्यस्थता और संवेदनशील संवाद के ज़रिये दोबारा एक साथ जीने की राह पर लौट आए। महिला थाना टीकमगढ़ में अंजलि अहिरवार द्वारा अपने पति के खिलाफ प्रताड़ना की शिकायत की गई थी। मामला गम्भीर था, लेकिन पुलिस ने इसे केवल कानूनी मामला मानने के बजाय रिश्तों की बुनियाद पर काम करना चुना। महिला थाना प्रभारी मनीष मिश्रा और उनकी टीम ने पीड़िता और ससुराल पक्ष के साथ कई दौर की बातचीत की। तीखी नाराज़गियों और टूटे विश्वास के बीच धैर्य और संवाद की कोशिशें आखिर रंग लाईं। पति-पत्नी ने आपसी समझदारी से साथ रहने का निर्णय लिया। ऐसा ही एक मामला बड़ागांव थाना क्षेत्र में सामने आया, जहां रामदेवी अहिरवार ने अपने पति और ससुराल पक्ष पर प्रताड़ना के आरोप लगाए थे। थाना प्रभारी नरेन्द्र वर्मा और महिला प्रधान आरक्षक नूरजहां ने पहल करते हुए दोनों पक्षों को बैठाया। न तो दबाव बनाया गया, न ही कानूनी भय दिखाया गया—बल्कि एक ऐसा माहौल तैयार किया गया जिसमें दोनों पक्ष अपनी बात कह सकें और समाधान खोज सकें। अंततः रिश्तों के बीच जमी तल्खी को पिघलाकर समझदारी की जगह बनाई गई। पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के स्पष्ट निर्देश हैं कि घरेलू विवादों में प्राथमिकता संवाद, समन्वय और सामंजस्य को दी जाए। इसी सोच के तहत महिला थाना और बड़ागांव थाना की टीमों ने अब तक कुल 35 ऐसे मामलों में सफलतापूर्वक समन्वय कराया है।

माडूमर गांव के पुष्पेंद्र लोधी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

नारगुड़ा में रेलवे पुल के पास मिला किसान का शव, हत्या की आशंका से सनसनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ टीकमगढ़

जिले के देहात थाना क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई, जब नारगुड़ा पंचायत के समीप स्थित रेलवे पुल के पास एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ। मृतक की पहचान माडूमर गांव निवासी 40 वर्षीय किसान पुष्पेंद्र लोधी के रूप में हुई है। मंगलवार दोपहर घर से बाइक पर निकले पुष्पेंद्र देर रात तक वापस नहीं लौटे, जिसके बाद परिजनों ने रिश्तेदारों और परिचितों से संपर्क कर उनकी तलाश शुरू की। लेकिन उनकी खोज एक भयावह मोड़ पर खत्म हुई — जब बुधवार सुबह ग्रामीणों ने रेलवे पुल के पास शव पड़े होने की सूचना दी। घटनास्थल से जो चीजें बरामद हुईं, वे इस मौत को साधारण नहीं रहने देतीं। वहां मृतक की बाइक, मोबाइल, तौलिया और चप्पलें भी मिलीं, जो इस बात की ओर इशारा कर रही हैं कि यह एक नियोजित वारदात हो सकती है। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवा दिया।

प्रारंभिक जांच में मृतक के सिर पर गहरी चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे प्रथम दृष्टया यह मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। थाना प्रभारी चंद्रकांत यादव ने बताया कि घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य एकत्रित किए गए हैं और मृतक के परिजनों को बुलाकर पहचान कराई गई है। परिजनों ने स्पष्ट रूप से आरोप लगाया है कि पुष्पेंद्र की हत्या की गई है। उनका कहना है कि पुष्पेंद्र न किसी से झगड़ता था, न ही किसी से दुश्मनी रखता था। वह सीधा-सादा किसान था, जिसकी पूरी दिनचर्या खेती-बाड़ी और परिवार के इर्द-गिर्द ही घूमती थी।

पुष्पेंद्र के चचेरे भाई देवेंद्र लोधी ने बताया कि मृतक की खेती नारगुड़ा गांव में ही है, और वह अकसर खेतों की देखभाल करने वहां जाता था। घटना वाले दिन भी वह दोपहर बाद अकेले बाइक पर निकले थे। देर शाम तक घर न लौटने पर चिंतित परिवार ने उन्हें रिश्तेदारी और आसपास खोजा, लेकिन उनका कोई पता नहीं चला। जब सुबह शव मिलने की खबर आई, तो पूरे गांव में मातम पसर गया। घटना के बाद माडूमर और नारगुड़ा गांव में शोक की लहर फैल गई है। ग्रामीणों का कहना है कि जब एक सीधा-सादा किसान इस तरह रहस्यमय परिस्थिति में मारा जा सकता है, तो आम आदमी कितना सुरक्षित है? गांव में भय और आक्रोश का माहौल है। लोग पुलिस से जल्द से जल्द इस रहस्य से पर्दा उठाने की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। आसपास के ग्रामीणों से पूछताछ की जा रही है, मृतक के मोबाइल कॉल डिटेल्स खंगाले जा रहे हैं और घटनास्थल के आसपास सीसीटीवी फुटेज की तलाश की जा रही है।

लिधोरा ताल में पेयजल सुधार की नींव रखी गई, गांव ने खुद रचा विकास का खाका

टीकमगढ़। जिले की ग्राम पंचायत लिधोरा ताल में पेयजल व्यवस्था को सशक्त और स्थायी बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण चार दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। नवदिशा सामाजिक संस्थान के तत्वावधान में संचालित इस कार्यक्रम की अगुवाई संस्था के निदेशक प्रदीप श्रीवास्तव के निर्देशन में की गई। आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण नल-जल योजना की वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन कर ग्राम कार्य योजना तैयार करना था, ताकि जल संकट से जूझते ग्रामीणों को दीर्घकालिक समाधान मिल सके। कार्यक्रम के प्रथम दिन ग्राम का विस्तारपूर्वक भ्रमण कर स्थानीय भौगोलिक एवं सामाजिक स्थिति को समझा गया। दूसरे दिन प्रत्येक घर का सर्वे कर नल-जल योजना की वर्तमान दशा और पेयजल के वैकल्पिक स्रोतों की जानकारी एकत्र की गई। इस दौरान समुदाय के साथ संवाद कर यह भी जाना गया कि किन बिंदुओं पर व्यवस्था बाधित हो रही है। तीसरे दिन ग्राम के विभिन्न वर्गों के लोगों के साथ बैठक आयोजित कर गांव का सामाजिक एवं संसाधन मानचित्र तैयार करवाया गया। इस मानचित्र में पेयजल स्रोत, पाइपलाइन की दिशा, रुकावटें, जल संग्रहण की स्थिति एवं अन्य महत्वपूर्ण विवरणों को चिन्हित किया गया।

कार्यक्रम के चौथे और अंतिम दिन ग्राम पंचायत भवन में ग्राम कार्य योजना का विधिवत प्रस्तुतीकरण किया गया। इस अवसर पर सरपंच कमलेश प्रजापति, सचिव राकेश खरे, पूर्व सरपंच हरबल रैकवार, वार्ड पंच विमला रैकवार, गायत्री, अखलेश पाल, वलराम अहिरवार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम समन्वयक विनोद कुमार खरे, सेक्टर समन्वयक अमन श्रीवास्तव, माया शहबाज, कार्यकर्ता जानकी, पुष्पा, सविता, जयवती आदि की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम में 22 महिलाएं और 43 पुरुष सहभागियों के रूप में शामिल हुए, जिन्होंने जल प्रबंधन की चुनौतियों पर खुलकर चर्चा की और अपने सुझाव भी दिए। यह आयोजन न केवल जल संकट के समाधान की ओर एक ठोस कदम रहा, बल्कि यह भी साबित किया कि जब समुदाय स्वयं अपनी योजना में भागीदारी करता है, तब विकास टिकाऊ और व्यवहारिक होता है। ग्रामवासियों ने उम्मीद जताई कि तैयार की गई कार्य योजना को प्रशासनिक स्तर पर शीघ्र क्रियान्वित किया जाएगा, ताकि गांव को हर मौसम में पर्याप्त और सुरक्षित पेयजल की सुविधा मिल सके।

जब वर्दी ने बढ़ाए हौसलेः पुलिस कार्यालय बना प्रेरणा का मंच

मेधावी छात्राओं को सम्मानित कर पुलिस अधीक्षक ने की सराहना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ टीकमगढ़

पुलिस कार्यालय इस बार सिर्फ कानून व्यवस्था का केंद्र नहीं, बल्कि उम्मीदों का मंच बन गया। एक खास अवसर पर, यहां शिक्षा की लौ को रोशन करने वाले विद्यार्थियों को न सिर्फ सम्मानित किया गया, बल्कि उनकी आंखों में सपनों की नई चमक भी भर दी गई।

पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के नेतृत्व में आयोजित ₹प्रतिभा सम्मान अभियान₹ के तहत जिले के विभिन्न स्कूलों से चयनित मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रशंसा पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। यह सिर्फ एक औपचारिकता नहीं थी, बल्कि उन प्रयासों की सार्वजनिक स्वीकृति थी, जो इन बच्चों ने चुपचाप अपने भविष्य को तराशने में किए हैं। कार्यक्रम की सबसे खास बात यह रही कि पुलिस अधीक्षक ने हर विद्यार्थी से व्यक्तिगत संवाद किया। उनकी बातों में कहीं कोई औपचारिकता नहीं, बल्कि एक मार्गदर्शक, एक बड़े भाई और एक शुभचिंतक की आत्मीयता झलक रही थी। उन्होंने बच्चों से पढ़ाई, करियर और जीवन के लक्ष्यों को लेकर गहन चर्चा की, उनके सवालों का जवाब दिया और अपने अनुभव साझा किए। मंडलोई ने विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन और संकल्प की त्रिवेणी को जीवन का मूल मंत्र बताते हुए कहा कि जिस क्षण लक्ष्य स्पष्ट हो जाता है, उसी क्षण सफलता का रास्ता भी बनना शुरू हो जाता है। उनकी बातों में एक विश्वास था, जो न सिर्फ बच्चों ने महसूस किया, बल्कि वहां मौजूद हर अभिभावक और शिक्षक की आंखों में भी चमक पैदा कर गया।

इस मौके पर हेमलता पाल, खुशबू बानो, सुनैना अहिरवार, प्रतिभा साहू, निधि यादव, अंजल यादव, साधना पाल और नैनशी अहिरवार जैसी होनहार छात्राओं को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। ये वे नाम हैं, जिन्होंने अपने कठिन संघर्षों के बावजूद शिक्षा में न केवल बेहतर प्रदर्शन किया, बल्कि अन्य बच्चों के लिए प्रेरणा का मार्ग भी प्रशस्त किया।

1 जून से अब तक 20 इंच से अधिक बारिश, मौसम विभाग ने भारी बारिश की दी चेतावनी

झमाझम बारिश से मौसम सुहाना, धसान नदी उफान पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ टीकमगढ़

जिले में मानसून की सक्रियता ने बुधवार को पूरे शहर और ग्रामीण अंचलों को भिगो डाला। दोपहर लगभग 2:30 बजे अचानक आसमान में काले घने बादल छा गए और उसके कुछ ही देर बाद तेज बारिश शुरू हो गई। लगभग एक घंटे तक चली इस झमाझम बारिश ने लोगों को उमस से राहत दी, लेकिन निचली बस्तियों और खेतों में जलभराव की स्थिति भी उत्पन्न कर दी। मौसम विभाग ने आने वाले 24 घंटों के लिए जिले में फिर से तेज बारिश की चेतावनी जारी की है। बुधवार की बारिश के बाद दिन का तापमान करीब 4 डिग्री सेल्सियस गिरकर 29 डिग्री पर आ गया, जिससे मौसम में ठंडक घुल गई और लोगों ने चैन की सांस ली। 1 जून से लेकर 8 जुलाई तक जिले में 516 मिलीमीटर (20.3 इंच) औसत वर्षा दर्ज की गई है, जो कि पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में लगभग दोगुनी है। वर्ष 2024 में इस अवधि में मात्र 231.6 मिलीमीटर (9.01 इंच) बारिश हुई थी। इससे स्पष्ट है कि इस बार मानसून ने जिले में जोरदार दस्तक दी है।

इधर, लगातार हो रही बारिश का असर धसान नदी के जलस्तर पर भी साफ दिख रहा है। सोमवार रात को सुजारा बांध के 7 गेट खोलने पड़े, लेकिन मंगलवार को जलप्रवाह इतना बढ़ा कि सभी 12 गेट खोलने की नौबत आ गई। जलस्तर में निरंतर वृद्धि हो रही है, जिससे नदी किनारे बसे गांवों में सतर्कता बरती जा रही है। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में बीते 24 घंटों के दौरान हुई वर्षा के आंकड़े भी मानसून की ताकत को दर्शाते हैं। खरगापुर में 1.38 इंच, बल्देवगढ़ में 1.26 इंच, जतारा में 1.14 इंच, जबकि पलेरा में 0.43 इंच और बड़ागांव धसान में 0.39 इंच बारिश दर्ज की गई। टीकमगढ़ शहर में महज 0.12 इंच और लिधौरा में 0.08 इंच वर्षा हुई। मोहनगढ़ में हालांकि वर्षा नहीं हुई, लेकिन बादलों की आवाजाही बनी रही।

बारिश ने जहां किसानों के चेहरे पर मुस्कान ला दी है, वहीं कुछ जगहों पर जलभराव से समस्याएं भी खड़ी हो गई हैं। जिला प्रशासन ने मौसम विभाग की चेतावनी को ध्यान में रखते हुए सभी तहसील मुख्यालयों और निचले इलाकों में निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं।

जिले में जलभराव वाले स्थानों की पहचान कर वहां से पानी की निकासी की व्यवस्था की जा रही है। किसान भी खेतों की ओर रुख कर चुके हैं और अब खरीफ फसलों की बुआई का कार्य तेज़ी पकड़ रहा है। मानसून की यह मेहरबानी यदि इसी तरह बनी रही, तो जिले में इस बार अच्छी पैदावार की उम्मीद की जा रही है। हालांकि, जलस्रोतों और नदियों का बढ़ता स्तर चेतावनी भी है कि सतर्कता बरती जाए और प्रशासन समय रहते सभी सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करे।

नहर फूटने से टर्रामाफ़ी और बगवाड़ा गांवों में भरा पानी, ग्रामीणों को क्षति

जहां से क्षतिग्रस्त थी पुलिया, वहीं से टूटी चंबल नहर, लापरवाही उजागर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

टर्रामाफी एवं बगवाडा के बीच चंबल दाहिनी मुख्य नहर फूट जाने से इन दो गांवों में पानी भर जाने से ग्रामीणों को आर्थिक रूप से जो नुकसान हुआ है उसका मुआवजा दिलाने के लिए कलेक्टर अर्पित वर्मा ने सूचना मिलने के बाद रात को मौके पर पहुंचकर तहसीलदार मनीषा मिश्रा को पटवारियों के माध्यम से सर्वे कराने के निर्देश दे दिए लेकिन नुकसान क्यों हुआ है इसकी समीक्षा भी जरूरी है।

ग्रामीणों की माने तो जिस स्थान से नहर फूटी है वो पहले जर्जर था जिसके नहर के कभी भी फूट जाने की आशंका के चलते विभाग ने उसके मेंटीनेंस के लिए टेंडर भी कोल किया हुआ है ओर बीते चार दिनों से उस स्थान से पानी तेजी से रिस रहा था प्रश्न यही उठ रहा है कि जब उक्त स्थान इतना जर्जर था और मेंटीनेंस के लिए टेंडर कोल कर दिया गया था तो फ़िर नहर में पानी छोड़ने की इतनी जल्दबाजी क्या थी।

उल्लेखनीय है कि टर्रामाफी एवं बगवाडा के बीच 45.70 किलोमीटर पर चंबल दाहिनी मुख्य नहर मंगलवार की देर शाम ब्रेक हो गई,इसकी सूचना सोशल मीडिया पर जंगल में आग की तरफ फैल गई। कलेक्टर अर्पित वर्मा ने मौके पर पहुंच कर स्थिति का निरीक्षण किया। उनके साथ एसडीएम बीएस श्रीवास्तव, तहसीलदार मनीषा मिश्रा, ईई जल संसाधन चेतन्य चौहान सहित पुलिस एवं होमगार्ड, एसडीआरएफ की टीम आदि मौजूद थे। कलेक्टर के निर्देश पर कोटा बेराज से नहर को बंद कर दिया गया। 100 किमी पर नहर के पानी को इस्केप किया गया है और नहर टूटने के स्थान से ऊपर की साइड में स्थित डिस्ट्रीब्यूटर में पानी छोड़ा गया है जिससे पानी का प्रवाह रोकने में मदद मिली।

हालांकि कोटा बैराज से नहर में पानी अधिक मात्रा में नहीं छोड़ा गया था जिससे नुकसान कम हुआ अगर पानी फुल मात्रा में छोड़ा जाता तो नुकसान और अधिक होने की संभावना थी। जिसकी चपेट में कई गांव भी आ सकते थे लेकिन जिस स्थान से नहर फूटी है वह पहले से क्षतिग्रस्त था इस बात की जानकारी विभाग को थी इसके बावजूद नहर में पानी छोड़ने की जल्दबाजी क्यों की गई।

जब पुलिया क्षतिग्रस्त थी तो टेस्टिंग की जरूरत क्या थी?

जल संसाधन विभाग के ईई चौहान ने जानकारी दी कि बगवाडा एवं टर्रामाफी के बीच नहर का हिस्सा टूट गया। वर्तमान में नहर में चलने से पानी रोकना मुश्किल हो रही थी इसलिए पानी को डायवर्ड करना पड़ा। कलेक्टर के द्वारा चर्चा के बाद कोटा बैराज से नहर बंद भी करा दी गई है। उन्होने बताया कि चंबल सूक्ष्म सिंचाई परियोजना की टेस्टिंग के लिए 1 हजार क्यूसेक पानी नहर में छोडा गया था। उन्होने बताया कि किसी प्रकार की कोई गंभीर क्षति नही हुई है। उन्होने जानकारी दी कि नहर बंद होते ही नहर की मरम्मत का कार्य 15 दिन में पूर्ण कर लिया जायेगा। पर प्रश्न यही उठ रहा है कि जब पुलिया का हिस्सा क्षतिग्रस्त था तो नहर में टेस्टिंग के पानी छोड़ने की जल्दी क्या थी?

टेस्टिंग को रोकने के लिए तो नहीं रचा प्रपंच?

चंबल नहर में पानी, सिंचाई के लिए नहीं बल्कि 35 गांव की चंबल सूक्ष्म नहर परियोजना की टेस्टिंग के लिए छोड़ गया था। प्रश्न यह उठता है कि जिस स्थान से नहर फूटी है वह स्थान पहले से ही क्षतिग्रस्त था और यह बात विभाग को अच्छे से पता थी इसके बावजूद क्षतिग्रस्त स्थान का मेंटेनेंस करें बगैर नहर छोड़ी क्यों गई। लोगों को आशंका यह भी है कि कहीं इसके पीछे चंबल सूक्ष्म नहर परियोजना की टेस्टिंग रोकना तो नहीं था। ज्ञात हो कि किसानों ने इस परियोजना में फर्जी वाडा और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कई बार प्रदर्शन भी किया है। विधानसभा में भी यह मामला जोरदारी से उठा था। विरोध शांत करने के उद्देश्य से शासन प्रशासन ने इसकी टेस्टिंग करने का निर्णय लिया था जिसके लिए ही नहर में पानी छोड़ा गया था। लोगों को आशंका यह भी है कि टेस्टिंग में पोल न खुल जाए इस डर से क्षतिग्रस्त होने के बावजूद नहर में पानी छोड़ा गया।

जिंद बाबा की बाबड़ी पर होगा रात्रि विश्राम, 27 को चढ़ेगा झंडा

श्योपुर से 26 को जाएगी श्री क्षेत्रपाल बाबा की 15वीं पैदल यात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

जन-जन की आस्था के केन्द्र ग्राम जैनी स्थित श्री क्षेत्रपाल बाबा के दर्शनों के लिए एक पैदल यात्रा 26 जुलाई को यहां श्योपुर से गाजेबाजे के साथ रवाना होगी। क्षेत्र की खुशहाली की कामना के लिए चामुंडा माता समिति श्योपुर की अगुवाई में यह 15 वीं पैदल यात्रा है। पैदल यात्रा का रात्रि विश्राम जिंद बाबा की बाबड़ी पर होगा। यात्रा का समापन 27 जुलाई को श्री क्षेत्रपाल बाबा के दरबार में झंडा चढ़ाकर होगा। पैदल यात्रा की तैयारियां शुरू हो गई है।

चामुंडा माता समिति वार्ड 10 श्योपुर द्वारा बताया गया है कि गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री क्षेत्रपाल बाबा की पैदल यात्रा 26 जुलाई शनिवार को सुबह 9 बजे टोड़ी बाजार स्थित श्री गणेश मंदिर से विधिवज पूजा अर्चना के साथ शुरू होगी। पैदल यात्रा में बडी संख्या में श्रद्धालु शामिल होगे, जो नाचते-गाते और जयकार लगाते हुए जाएंगे।

सोंईकलां में होगा दोपहर का भोजन बावड़ी पर होगी रात्रि विश्राम

यह पैदल यात्रा सलापुरा, रायपुरा होते हुए सोंईकलां पहुंचेगी,जहां सभी पैदल यात्री दोपहर का भोजन करेंगे। इसके बाद यह पैदल यात्रा बगडुआ, भोगिका तिराहा, जावदेश्वर होते हुए यह पैदल यात्रा जिंद बाबा की बाबडी पर पहुंचेगी। जहां यात्रा में शामिल यात्रियों का रात्रि विश्राम होगा। यहां रात्रि जागरण भी होगा। रात्रि विश्राम के बाद पैदल यात्री 27 जुलाई रविवार सुबह यहां से रवाना होगे और ग्राम जैनी स्थित श्री क्षेत्रपाल बाबा के दरबार में पहुंचेगे। जहां पैदल यात्री विधिवत पूजा अर्चना के साथ झंडा चढ़ाकर यात्रा का समापन करेगे और बाबा से क्षेत्र की खुशहाली की कामना करेंगे।

दलित की मारपीट करने वाले आरोपी को छह माह का सश्रम कारावास, एक हजार जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

जातीय अपमान करते हुए दलित की मारपीट करने संबंधी दो साल पुराने मामले में श्योपुर न्यायालय ने आरोपी को छह माह का सश्रम कारावास सुना दिया है। साथ ही उस पर एक हजार रूपए का जुर्माना भी रोपित कर दिया है। इस मामले में शासन की ओर से पैरवी करने वाले विशेष लोक अभियोजक राजेन्द्र जाधव ने बताया कि 14 फरवरी को मानपुर थाना क्षेत्र स्थित मेवाडा कछार निवासी अमीर उर्फ अमीरा मुसलमान ने बकरी चराने संबंधी बात को लेकर एक दलित युवक की जातीय अपमान करते हुए डंडे से मारपीट कर दी। जिससे दलित युवक जख्मी हो गया था। इस मामले में अजाक थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर चालान श्योपुर न्यायालय में पेश किया। न्यायालय ने विचारण के दौरान आरोपी अमीर उर्फ अमीरा मुसलमान निवासी कछार मेवाडा को दोषी मानते हुए छह माह का सश्रम कारावास और एक हजार रूपए के जुर्माने की सजा सुना दी।

साहब! एफआरएस प्रणाली ने बर्बाद कर दिया सिस्टम, इसे रोका जाना जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

साहब! फेस रिक्निजम सिस्टम (एफआरएस) लाभार्थियों को गैर कानूनी तरीके से पोषण सेवा से पृथक कर रही है जिससे कुपोषण घटने के बजाए ओर अधिक बढ़ने की संभावना निर्मित हो रही है। अगर इसकी अनिवार्यता खत्म नहीं की तो कुपोषण मिटाने के उद्देश्य से शुरू किया गया आईसीडीएस अभियान पूरी तरह बर्बाद हो जाएगा। यह बात आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका यूनियन की जिलाध्यक्ष राजकुमारी राजपूत ने बुधवार को महिला बाल विकास जिला अधिकारी महेंद्र सिंह अंब को प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए कही।

राष्ट्रीय व्यापी आंदोलन के तहत आयोजित ज्ञापन में प्रधानमंत्री को उल्लेख करते हुए लिखा है कि एफआरएस प्रणाली लाभार्थियों को गैर कानूनी तरीके से सूची से हटाकर कुपोषण बढ़ाने का काम कर रही है। लॉकडाउन की अवधि में अनुचित तरीके से जल्दबाजी में पोषण ट्रैकर एप लांच किया गया ओर जल्दबाजी में आंगनबाड़ियों में डिजिटल रिपोर्टिंग लागू की गई। जिसके बाद आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिकाएं सहित लाखों लाभार्थी अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। अब एफआरएस के माध्यम से लाभार्थियों के फेस को पढ़कर उपस्थिति दर्ज कराई जा रही है जिसके कारण बड़ी संख्या में लाभार्थी इससे वंचित हो रहे हैं।

जनहित को ध्यान में रखते हुए इसे तत्काल निरस्त किया जाए। इसके अलावा ज्ञापन में और भी मांगे शामिल थी। ज्ञापन देने से पहले आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं ने कार्यालय के बाहर धरना देकर विरोध प्रकट किया।

सांदीपनि विद्यालय श्योपुर में व्यास पूजन कार्यक्रम आयोजित

श्योपुर। सांदीपनि विद्यालय (सीएम राइज स्कूल) श्योपुर में बुधवार को व्यास पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि आर के. उपाध्याय सेवानिवृत सयुंक्त संचालक लोक शिक्षण एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में विशाल गौतम उपस्थित रहें। कार्यक्रम के दौरान वेद मन्त्रो के साथ व्यास पूजन एवं सरस्वती पूजन किया गया तथा छात्र-छात्राओं एवं शिक्षको द्वारा गुरु पुर्णिमा एवं वेद व्यास के जीवन पर प्रकाश डाला गया। मुख्य अतिथि आरके उपाध्याय ने इस अवसर पर गेंहु की कहानी के माध्यम से बताया कि ज्ञान को जितना बांटोगे उतना बढेगा और जितना अपने पास रखोगे उतना ही घटेगा। कार्यक्रम का संचालन सोनू जैन तथा आभार प्राचार्य अशोक खण्डेलवाल ने किया।

अपर कलेक्टर करेंगे लाखों के लोन फर्जीवाड़े की जांच

कलेक्टर ने एडीएम को सौंपी मामले की जांच, बैंक के अधिकारियों को भी जांच के लिए लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

वीरपुर क्षेत्र में उजागर हुए लाखों के लोन फर्जीवाडे में शामिल लोगों का अब पता चल जाएगा,क्यांकि इस मामले की पूरी सच्चाई जानने के लिए कलेक्टर अर्पित वर्मा ने अपर कलेक्टर श्योपुर को मामले की जांच सौंप दी है। वहीं बैंक के अधिकारियों को भी मामले की जांच कर कार्रवाई किए जाने के लिए पत्र लिख दिया गया है। उधर एनएलआरएम की टीम भी इस मामले की जांच के लिए बुधवार को उन गांवो में पहुंची है,जिन गांवो के स्व सहायता समूह के नाम पर यह फर्जीवाडा किया गया है।

यहां बता दें कि एनएलआरएम से जुडे महिला स्व सहायता समूह के नाम पर वीरपुर क्षेत्र में लाखों का लोन फर्जीवाडा सामने आया है। जिसकी शिकायत वीरपुर क्षेत्र के लोगो ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर अर्पित वर्मा से की गई। साथही अंदेशा भी जताया कि इस फर्जीवाडे में यूनियन बैंक वीरपुर की शाखा में पदस्थ अमला भी शामिल है। क्योंकि बैंक की मिलीभगत से इस तरह का फर्जीवाडा अंजाम दिया जाना किसी भी कीमत पर संभव नहीं है।

बताया जा रहा है कि कलेक्टर अर्पित वर्मा ने इस मामले में गंभीरता दिखाते हुए अपर कलेक्टर को इस मामले की जांच कर उसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है। कलेक्टर अर्पित वर्मा ने बताया कि इस मामले की पूरी सच्चाई जानी जाएगी, इसमें जो भी दोषी साबित होंगे, उन्हें किसी भी कीमत बख्शा नहीं जाएगा, यह तय मानिए।

वीरपुर क्षेत्र में सामने आया फर्जीवाड़ा, कलेक्टर तक पहुंची शिकायत
महिला स्व सहायता समूह के नाम पर लाखों का लोन फर्जीवाड़ा!
मामला उजागर हुआ तो जमा भी हो गई लोन की राशि
दर्जनभर समूहों में हुआ इस तरह का फर्जीवाड़ा
इनका कहना है..

20 बाराती, 20 घराती और बिना दहेज पेड़ की छांव में हो गया निकाह

श्योपुर। मुस्लिम समाज में शादी विवाह को आसान बनाने के उद्देश्य से जो अभियान चलाया जा रहा है उसके तहत बुधवार को दो परिवारों द्वारा की गई सराहनीय पहल शहर में चर्चा का विषय बन गई। इस शादी में वर और वधू पक्ष से सिर्फ 40 लोग एकत्रित हुए और पेड़ की छांव के नीचे बैठकर निकाह की रस्म अदा कर ली। हालांकि शादी बिल्कुल सादे समारोह में हुई फिर भी मुस्लिम समाज के जागरूक माने जाने वाले जिम्मेदार लोगों ने इसमें शिरकत की और वर वधु को आशीर्वाद दिया। श्योपुर निवासी हुमेरा खान पुत्री अकील खान की शादी बारां राजस्थान निवासी शाकिर पुत्र अब्दुल सत्तार से तय हुई। शादी की तारीख कितने होने के बाद वह पक्ष में यह शादी बिना दहेज के करने की इच्छा जताई हालांकि वधू पक्षी वालों ने जरूरत के अनुसार बेटी को देने के लिए दहेज सहज के रखा था लेकिन वह पक्ष में एक भी बर्तन लेने से इनकार कर दिया बाद में दोनों पक्षों और समाज के लोगों ने बैठकर शादी को औरों के लिए नजीर बनाने का फैसला करते हुए निर्णय यह भी लिया की शादी में सिर्फ 20 बार आती आएंगे और वधू पक्ष की ओर से भी 20 ही लोग शामिल होंगे कल 40 लोगों ने कर्बला घाट पर एकत्रित होकर निकाह की रस्म अदा कर ली इस शादी में शहर कई जगह अल्लाह कुरैशी ने कहा पढ़ाया जबकि 12 के शहर काजी अब्दुल सत्तार भी मौजूद रहे। इस दौरान वक्फ़ इंतजामिया कमेटी जमातखाना के सदर इंसाफ कुरैशी, समाजसेवी मोहम्मद चीनी कुरैशी, विधायक प्रतिनिधि डॉ शहजाद, समाजसेवी राजू मेव, इज्तिमाई शादी कमेटी के अध्यक्ष मुन्ना खा, सेकेट्री रईस बेग, अंजुमन सदर बड़ौदा मुश्ताक सिद्दीकी आदि ने पहुंचकर दोनों पक्षों को बधाई दी।

दामाद के घर गए ससुर की बाइक चोरी सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ चोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

दामाद से मिलने के लिए आए ससुर की बाइक उस समय चोरी हो गई,जब ससुर ने अपनी बाइक को दामाद के घर के बाहर खडा किया था। शहर के बडौदा रोड स्थित नब्बन मार्केट के पास घटित हुई चोरी की यह वारदात मंगलवार की रात 10 से 11 बजे के बीच की है। बाइक लेकर चंपत हुए चोर का फिलहाल कोई अता पता नहीं है,लेकिन वह चोर सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। कोतवाली पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर चोर की तलाश शुरू कर दी है।

कोतवाली पुलिस ने बताया कि शहर के वार्ड क्रमांक 06 मेवाती मोहल्ला निवासी बुरहानुद्दीन अली ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह मंगलवार की रात करीब 10 बजे बडौदा रोड स्थित नब्बन मार्केट के समीप रहने वाले उसके दामाद से घर मिलने के लिए गया था। जहां उसने बाइक को दामाद के घर के बाहर खडा किया, लेकिन जब 11 बजे दामाद के घर से बाहर निकला तो मेरी बाइक चोरी हो गई। बाइक चोरी कर ले जाने वाला चोर सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। कोतवाली टीआई दिनेश सिंह राजपूत ने बताया कि चोरी की एफआईआर दर्ज कर चोरो का पता किया जा रहा है।

मामला दिसंबर 2023 में सिरसौद से सलमानियां तक बनी सड़क का

गारंटी अवधि में ही दो जगह से उखड़कर बह गई 3 करोड़ की सड़क, खुली घटिया निर्माण की पोल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

सिरसौद से सलमानियां तक बनी सडक के घटिया निर्माण की पोल तब खुलकर सामने आ गई, जब पिछले दिनों हुई बारिश के दौरान यह सडक दो जगह से उखडकर बह गई। जिसकारण क्षेत्र के ग्रामीणों को इस सडक से गुजरने में खासी असुविधा हो रही है। उधर क्षेत्र के लोग इस सडक निर्माण को घटिया बताते हुए इसकी गुणवत्ता की जांच करवाए जाने और सडक को जल्द ठीक कराए जाने की मांग उठा रहे है। अब देखने वाली बात यह होगी कि जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारी ग्रामीणों की मांग पर कितने गंभीर होते हैं।

क्षेत्रीय के ग्रामीणों ने बताया कि सिरसौद से सलमानियां तक पक्की सडक न होने के कारण शासन के द्वारा यहां सडक निर्माण कार्य की स्वीकृति प्रदान की गई है और करीब 4 किलोमीटर लंबी इस सडक के निर्माण के लिए 3 करोड 02 लाख रूपए से अधिक की राशि मंजूर की गई है। वर्ष 2023 में लोक निर्माण विभाग ने विधिवत टेंडर जारी करते हुए इस सडक का निर्माण करवा दिया गया। 20 अप्रैल 2023 को सडक का निर्माण शुरू करने वाले ठेकेदार के द्वारा 14 दिसंबर 2023 तक सिरसौद से बंजारा बस्ती होते हुए सलमानियां तक सडक का निर्माण कंपलीट कर दिया। पिछले साल ही इस सडक पर लोगों की आवाजाही शुरू की गई।

किसान नेता राधेश्याम मीणा मूंडला सहित अन्य कई ग्रामीणों ने बताया कि सडक निर्माण के दौरान गुणवत्ता की अनदेखी करते हुए घटिया तरीके से सडक बनाई गई है। जिसका परिणाम दो तीन दिन पहले हुई इस क्षेत्र में हुई बारिश के दौरान तब सामने आ गया,जब यह सडक दो स्थानों से टूटकर बह गई। जबकि इस सडक की गारंटी अवधि वर्ष 2029 तक निर्धारित है। इसलिए सडक के टूटे हुए हिस्से की मरम्मत को सडक निर्माण करने वाला ठेकेदार कर देगा। लेकिन लोग सवाल उठा रहे है कि अभी तो बारिश का दौर शुरू ही हुआ है,उसके पहले ही सडक की यह स्थिति हो गई, लेकिन जुलाई और अगस्त माह के दौरान जब झमाझम बारिश का दौर चलेगा,तब इस सडक की स्थिति क्या होगी, इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। इस संबंध में एडीएम अतेन्द्र सिंह गुर्जर का कहना है कि संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करेगे कि सडक निर्माण की जांच करवाते हुए उसमे सुधार के लिए कार्रवाई की जाए।

इधर गड्ढों में गुम हो गई सड़क, पैदल चलना भी मुश्किल

श्योपुर। यूं तो बडौदाराम से सीसवाली तक प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना विभाग की डामरीकृत सडक बनी हुई है।लेकिन वर्तमान में इस सडक पर इतने गड्ढे हो गए है कि सडक ही नजर नहीं आती है। गड्ढो में भरे पानी को देखकर ऐसा लगता है कि यह सडक नहीं बल्कि दरिया है। जिसकारण ग्रामीणों को पैदल चलने में खासी परेशानी भोगनी पड रही है। मगर जिम्मेदार विभागीय अधिकारी इस दिशा में मौन साधे हुए नजर आ रहे है। जिससे ग्रामीणों की परेशानी घटने के बजाए और बढती जा रही है। श्योपुर तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बडौदाराम से सीसवाली तक प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना के अंतर्गत डामरीकृत सडक बनी हुई है। जब सडक बनी,तब क्षेत्र के ग्रामीणों का सफर भी सुगम हुआ। ग्रामीणों का आरोप है कि सडक निर्माण के दौरान ठेकेदार के द्वारा गुणवत्ता की अनदेखी की गई। जिस कारण सडक उखडना शुरू हो गई है और धीरे धीरे सडक पर कई जगह गड्ढे हो गए है। गड्ढो में पानी भरने से यह सडक कई जगह दरिया बनी हुई नजर आती है। जिससे ग्रामीणों का पैदल चलना भी मुश्किल हो रहा है। सबसे ज्यादा उन स्कूली बच्चों को आ रही है,जो इस सडक से होकर प्रतिदिन स्कूल पहुंचते है। ग्रामीणों का कहना है कि इस सडक के किनारे रखी बिजली की डीपी की हादसे का सबब बन सकती है। क्योंकि लोग गड्ढों से बचने के लिए जिस किनारे से निकलते है,उस किनारे पर ही यह बिजली डीपी रखी हुई है। जिससे कभी कोई राहगीर भी इस डीपी से निकले करंट की चपेट में आ सकता है। ग्रामीणों ने इस तरफ जिम्मेदारों का ध्यान दिलाते हुए सडक की दयनीय स्थिति में सुधार करवाए जाने की मांग की है।

अभाविप ने मनाया स्थापना दिवस घोषित की नगर कार्यकारिणी

कैलाश नगर अध्यक्ष तो विष्णु नगर मंत्री निर्वाचित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने बुधवार को अपना स्थापना दिवस और राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस मनाते हुए आरआरआर रिसोर्ट में कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए एबीवीपी के प्रदेश संगठन मंत्री रोहित दुबे ने कहा कि एबीवीपी की स्थापना भारत के शाश्वत विचार को लेकर की गई, अभाविप महापुरुषों के विचारों को आत्मसात कर छात्र हित में आंदोलनरत है वहीं देश के मुद्दों पर भी अभाविप मुखर रही चाहे धारा 370 हटाने का मुद्दा हो या राममंदिर आंदोलन की बात या फिर नई शिक्षा नीति की बात हो हर विषय पर अभाविप ने अपना मत रखा है।

इसमें अभाविप पूर्व कार्यकर्ता के रूप में उपस्थित भाजपा जिलाध्यक्ष शशांक भूषण ने अपने छात्र जीवन के संस्मरणों को सुनाकर कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। अभाविप जिला संयोजक गणेश शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान एबीवीपी जिला प्रमुख कमल शर्मा ने अध्यक्ष मंत्री का निर्वाचन किया। नगर अध्यक्ष कैलाश गुप्ता, नगर मंत्री विष्णु वाल्मीकि, नगर उपाध्यक्ष विवेक शर्मा, हर्षिता सिंगल, नवीन राठौर, डॉ वीरेंद्र, नगर सहमंत्री विशाल मेरोठा, मयंक मीणा, कविता जादौन, राकेश चौधरी, कार्यालय मंत्री अब्दुल दाऊदी एस एफ डी प्रमुख गोकुल बंजारा,भीमराज सुमन, एस एफ एस प्रमुख ललित जाट, मनीष प्रजापति , कला मंच प्रमुख सुमन आदिवासी, मीनाक्षी सिसोदिया, खेलो भारत प्रमुख कार्तिक बंचोलीया, उत्तम जाट, सोशल मीडिया प्रमुख निरंजन गोस्वामी ,गौरव शर्मा महाविद्यालय प्रमुख विकाश गुर्जर ,विकाश जाटव , विद्यालय प्रमुख गौरव पंडित, जतिन जाट, छात्रा प्रमुख प्रिया मीणा, नूपुर श्रीवास्तव सदस्य हंसराज गुर्जर, आजाद गुर्जर, उदित शर्मा, दीपाली सोनी, मनीषा मीणा आदि को जिम्मेदारी सौंपी गई।

खबर संक्षेप

अभियुक्त की गिरफ्तारी 25 हजार का इनाम घोषित

ललितपुर। जनपद ललितपुर के थाना नाराहट में अभियुक्त रामबाबू पुत्र हरदास झां नग्राम कलरव थाना नाराहट जनपद ललितपुर के विरूद्ध मु0अ0सं0 110/2025 धारा 70(2) बीएनएस व 5/6 पाक्सो एक्ट का अभियोग पंजीकृत हैं , जिसमें अभियुक्त उपरोक्त वांछित है अभियुक्त रामबाबू उपरोक्त की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक, जनपद ललितपुर मो0 मुश्ताक द्वारा टीमों का गठन किया गया है तथा गिरफ्तारी हेतु 25 हजार रूपये की धनराशि का ईनाम घोषित किया गया है । जिसकी सूचना पुलिस को देने वाले को 25 हजार रूपये के इनाम से पुरस्कृत किया जायेगा ।

योजना अंतर्गत आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

अशोकनगर। कलेक्टर आदित्य सिंह द्वारा मुख्यमंत्री कृषक जीवन कल्याण योजना अंतर्गत 09 हितग्राहियों को 36 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। जारी आदेश के तहत शंकर पुत्र फुंदीलाल जाति अहिरवार निवासी ग्राम सिंहपुरताल तहसील चंदेरी,पंखो बाई पत्नि कैलाश आदिवासी निवासी ग्राम मल्हपरागढ़ तहसील मुंगावली, संजो यादव पति स्व. अंकेश सिंह यादव निवासी ग्राम टीला तहसील मुंगावली, गजराज सिंह लोधी पुत्र राजाराम लोधी निवासी ग्राम सांवलहेड तहसील मुंगावली, जानकी बाई पति स्व. महेन्द्रसिंह ग्राम आकेत तहसील पिपरई, सुरेन्द्र पुत्र रामलाल निवासी ग्राम भौराखाती तहसील अशोकनगर, गंगाराम आदिवासी पुत्र भंवर लाल आदिवासी निवासी ग्राम नावनी तहसील चंदेरी, ब्रजेशबाई पत्नि स्व. संतोक सिंह निवासी ग्राम सलोना तहसील पिपरई तथा लीलाबाई पत्नि स्व. रामलाल निवासी ग्राम धमरासा तहसील पिपरई को 04-04लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

इच्छुक व्यक्तियों से 31 जुलाई आवेदन चाहे गए

अशोकनगर। दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 8ख के तहत दहेज प्रतिषेध अधिकारी को सलाह एवं सहायता प्रदाय करने के प्रयोजन के लिए अशोकनगर जिले में दहेज सलाहकार बोर्ड का गठन किया जाना है। उक्त बोर्ड में 05 सदस्यों का मनोनयन किया जाना है जिसमें कम से कम 02 महिलाएं होंगी। दहेज सलाहकार बोर्ड के सदस्य बनने के इच्छुक सामाजिक कार्यकर्ता अपने बायोडाटा मय दस्तावेजों के साथ मय लिफाफे में कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग कक्ष क्रं. 224 नवीन कलेक्ट्रेट भवन जिला अशोकनगर में कार्यालयीन दिवस एवं समय में 31 जुलाई तक जमा कर सकते हैं।

स्वास्थ्य केंद्रों में की 15 एएनएम की नियुक्तियां

अशोकनगर। जिले में 15 महिला बहुउद्धेश्यीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता (एएनएम) की नियुक्ति की गई है। मुख्य चिकित्सा. एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अलका त्रिवेदी ने बताया कि जिले के 15 उप स्वासस्था केन्द्रो 5 में प्रावधिक रूप से एन.एन.एम की नियुक्ति की गई है। जारी आदेशानुसार विकासखण्ड मुंगावली के उप स्वास्थ्य केन्द्र बीलाखेड़ी में साधना बागड़ी, अमोदा में जकिया पठान, तमाशा में गरीब बाई, मुडरा बहादरा में नेमेश्वरी गौतम, घाटबमुरिया में लता जमाहे, विकासखण्ड चंदेरी के उपस्वास्थ्य केन्द्र खैराई में चंदा अहिरवार, विक्रमपुर में सोना वोपचे, सीगोन में कविता ललावत, गरेंठी में सुरेखा बेदरे, विकासखण्ड ईसागढ के उपस्वास्थ्य केन्द्र रांवसर जागीर में लक्ष्मी अर्जुन, अखाईघाट में नीलेश्वरी सूर्यवंशी, जमडेरा में सरिता भगत, देरखा में आशा रसाली, शाढौरा के उपस्वास्थ्य केन्द्र कुंदौरा में ममता सिंह तथा बामोरीताल में लक्ष्मी अहिरवार की नियुक्ति की गई है।

जनपद में पौधरोपण अभियान की सफलता के लिए जिला प्रशासन की सराहना की

पौधरोपण का महाअभियान, कलेक्टर के निर्देश पर लगाए एक करोड़ पौधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ललितपुर

पौधरोपण महा अभियान का जनपद में जोरदार आगाज हुआ क्या बूढ़े, क्या बच्चे, क्या महिला, क्या पुरुष और फिर क्या जनप्रतिनिधि या अधिकारी, कर्मचारी सभी ने पौधे लगाए। जनपद को प्राप्त 90 लाख 51 हजार पौधे के लक्ष्य से अधिक पौधे लगाकर ललितपुर ने बनाया एक नया रिकॉर्ड। पौधरोपण के नोडल अधिकारी एवं बीड़ा के सीईओ अमृत त्रिपाठी, जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी व पुलिस अधीक्षक मोहम्मद मुस्ताक ने प्रातः पुलिस लाइन प्रांगण में क्रमशः बेल, अमरुद व कटहल के पौधे लगाकर अभियान का शुभारंभ किया और सभी को अपने हिस्से के पौधे लगाने का संदेश दिया। पुलिस लाइन प्रांगण में पौधे रोपण के दौरान जनपद नोडल अधिकारी अमृत त्रिपाठी जी ने पिछली वर्ष इसी प्रांगण में अमरूद व सागवान के दो पौधे मां के नाम पर लगाए थे जिन्हें देखने वह दौड़ पड़े और लहराते इन पौधों के साथ उन्होंने भावनात्मक रूप से जुड़ते हुए सेल्फी ली और इस 1 वर्ष के दौरान इन पौधों की देखभाल करने वाले कर्मचारियों को धन्यवाद किया और इस पौधरोपण अभियान की सफलता के लिए सभी संबंधित अधिकारियों की सराहना की। इसके पश्चात

वह अमरपुर मंडी पहुंचकर वहां जिला पंचायत अध्यक्ष कैलाश नारायण निरंजन के साथ पौधरोपण किया और इसी प्रांगण में पिछली वर्ष मियां बाकी पद्धति से लगाए गए पौधों की वृद्धि देखकर प्रसन्नता जाहिर की और जनपद में पौधरोपण अभियान की सफलता के लिए जिला प्रशासन की सराहना की।

अधिक पौधे लगाने का संदेश दिया

इसके उपरांत वह ग्राम पंचायत कल्याणपुर पहुंचकर 20 एकड़ से अधिक की भूमि पर ग्राम्य में विकास विभाग द्वारा पिछली वर्ष 18 एकड़ में 18 प्रजातियां के अलग-अलग फलदार वृक्ष लगाए गए थे और दो एकड़ में मियां बाकी पद्धति से विभिन्न प्रकार के पौधे रोपित किए थे जिनकी वृद्धि और सफलता को देखकर प्रसन्नता जाहिर की इस दौरान उन्होंने स्कूली बच्चों व ग्रामीण के साथ वहां पौधे लगाकर सभी क्षेत्र वासियों को अधिक से अधिक पौधे लगाने का संदेश दिया। इस दौरान नोडल अधिकारी त्रिपाठी ने कहा कि यह वृक्षारोपण अभियान प्रदेश में आज के दिन 37 करोड़ पौधे लगाने की महत्वाकांक्षी योजना का एक अंग है जो पर्यावरण संरक्षण एवं मातृत्व सम्मान की परिकल्पना को साकार करता है। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने हमारे लिए वृक्ष लगाकर हमको शुद्ध वायु की उपलब्धता सुनिश्चित की है अब हमारा कर्तव्य है कि हम अपनी पीढ़ी के लिए वृक्ष लगाए। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने सभी क्षेत्रवासियों को वृक्षों की महत्व बताते हुए सभी को पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया। इसके पश्चात उन्होंने बार ब्लॉक के चंदन वन पहुंचकर पुलिस उपमहानिरीक्षक झांसी केशव कुमार चौधरी के साथ पौधरोपण किये इस अवसर पर क्षेत्रीय निदेशक वन संरक्षक महावीर कौजलागी, उप प्रभावी बनाधिकारी सत्येंद्र सिंह तोमर, उप जिलाधिकारी तालबेहट भूपेंद्र सिंह आदि मौजूद थे।

दो चरणों में हर छह माह में कार्यक्रम होता

विटामिन 'ए' संपूर्ण कार्यक्रम शुरू, बच्चों को दी खुराक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ललितपुर

जिला महिला चिकित्सालय सम्बद्ध स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय ललितपुर के प्रसवोत्तर केन्द्र में विटामिन ए संपूर्ण कार्यक्रम का उद्घाटन जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा शिव प्रकाश एवं पब्लिक हेल्थ स्पेशलिस्ट डा सौरभ सक्सेना की उपस्थिति में लाभार्थी की मॉ द्वारा फीता काट कर किया गया। इस दौरान बच्चों को विटामिन ए की खुराक पिलाई गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर इम्तियाज अहमद ने बताया प्रदेश में प्रत्येक वर्ष दो चरणों में छह माह के अन्तराल पर विटामिन ए संपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। कार्यक्रम में 09 माह से 05 वर्ष तक के बच्चों को विटामिन ए की खुराक पिलाई जाती है। विटामिन ए वसा में घुलनशील विटामिन है जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। इसी प्रकार 09 माह से 05 वर्ष तक के बच्चों को विटामिन ए की निर्धारित 09 खुराक दिये जाने से उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता में बढोतरी होती है और वह स्वस्थ रहते हैं। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा शिव प्रकाश ने बताया कि प्रत्येक सत्र पर कम से कम 3 विटामिन ए की बोतलों की उपलब्धता होनी चाहिये। बोतल खोलने के समय उस पर खोलने की तिथि अवश्य अंकित की जाये। एक बोतल समाप्त होने के बाद ही दूसरी खोलें बोतल पर अंकित एक्सपायरी तिथि का संज्ञान अवश्य लिया जाये।

विटामिन ए की खुराक रतौंधी, कुपोषण से बचाती है

पब्लिक हेल्थ स्पेशलिस्ट डा सौरभ सक्सेना ने बताया कि विटामिन ए की बोतल के साथ उपलब्ध चम्मच से ही एएनएम द्वारा निर्धारित मात्रा का माप करते हुये डिस्पोजेबल चम्मच द्वारा खुराक पिलाई जाये। बच्चे की विटामिन ए की खुराक पिलाने के पश्चात एएनएम द्वारा एमसीपी कार्ड में प्रविष्टि अवश्य की जाये। विटामिन ए की खुराक बच्चों को रतौंधी एवं कुपोषण से बचाती है। कार्यक्रम में स्वास्थ्य एवं आईसीडीएस विभाग के अतिरिक्त शिक्षा, पंचायत ग्राम विकास एवं स्वयं सेवा संस्थाओं के प्रतिनिधियों का सहयोग लिया जा रहा है। इस अवसर पर जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा शिव प्रकाश, पब्लिक हेल्थ स्पेशलिस्ट डा सौरभ सक्सेना, एसएमओ डब्लूएचओ डा सुमित बघेल, डीएमसी यूनीसेफ सबा परवीन, स्वास्थ्य पर्यवेक्षक सीताराम निरंजन एवं प्रसवोत्तर केन्द्र ललितपुर के कर्मचारी आदि मौजूद रहे।

जगह-जगह गहरे गड्ढे बन चुके हैं

महरौनी बाईपास गड्ढों में तब्दील राहगीरों की बढ़ गईं मुश्किलें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महरौनी-ललितपुर

महरौनी नगर को नगर सीमा टीकमगढ़ रोड से बानपुर रोड होते हुये जिला मुख्यालय को जोडने बाले मुख्य बाईपास मार्ग की हालत दिनों-दिन बदतर होती जा रही है। हालात यह हैं कि बाईपास सड़क अब सड़क कम और गड्ढों का समुच्चय अधिक नजर आने लगी है। जगह-जगह गहरे गड्ढे बन चुके हैं, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस सड़क की मरम्मत की मांग कई बार उठाई जा चुकी है, लेकिन अब तक न तो प्रशासन ने कोई संज्ञान लिया है और न ही कोई ठोस कदम उठाया गया है। बारिश के चलते हालात और भी गंभीर हो गए हैं, क्योंकि गड्ढों में पानी भर जाने से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। रोजाना इस बाईपास से सैकड़ों वाहन गुजरते हैं, जिनमें यात्री बसें, एंबुलेंस और भारी वाहन भी शामिल हैं। खराब सडक़ के कारण यातायात प्रभावित हो रहा है और हादसों की संभावना बढ़ गई है। स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन से जल्द से जल्द सडक़ की मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि लोगों को राहत मिल सके और कोई बड़ा हादसा न हो सके।

डीपीसी ने जिले के बीआरसीसी की लगाई क्लास दिए निर्देश

शिवपुरी। जिले में नया शैक्षणिक क्षेत्र शुरू हो चुका है लेकिन जिले के स्कूलों में बच्चों के नामांकन की स्थिति में अभी और सुधार की जरूरत है। इसलिए सभी ब्लॉकों में शत प्रतिशत नामांकन एवं पुस्तक लेकर वितरण की कार्रवाई तीन दिवस के भीतर पूरी की जाए अन्यथा ऐसी संस्था प्रभारी के खिलाफ कार्रवाई की प्रस्ताव भेजे जाएं। यह बात जिला शिक्षा केंद्र के डीपीसी दफेदार सिंह सिकरवार ने जिला शिक्षा केंद्र में आयोजित हुई सभी ब्लॉकों के बीआरसीसी की बैठक में सख्ती के साथ दिशा निर्देश देते हुए कही। इस मौके पर एपीसी मुकेश पाठक,एपीसी उमेश करारे,एपीसी अतर सिंह राजोरिया, हरीश शर्मा,जिला प्रोग्रामर योगराज प्रजापति,बीआरसीसी प्रदीप अवस्थी,विनोद तिवारी,शिवचरण जाटव,केपी जैन,वेदप्रकाश शर्मा व अभिषेक शर्मा आदि मौजूद थे।

प्रवेश से वंचित न रहे 6 से 14 साल तक का छात्र

जिला शिक्षा केंद्र में शासन की योजनाओं का लाभ स्कूलों में बच्चों को समय पर दिए जाने को लेकर डीपीसी दफेदार सिंह सिकरवार द्वारा बीआरसी के साथ वन टू वन चर्चा की गई। इसके साथ यूडाइस पोर्टल पर छात्र-छात्राओं के सत्यापन,गणवेश वितरण के लिए खातों के सत्यापन तथा साइकिल वितरण की तैयारी को लेकर दिशा निर्देश देते हुए डीपीसी सिकरवार ने कहा कि स्कूल में कोई भी 6 से 14 वर्ष की उम्र तक का छात्र प्रवेश से वंचित नहीं रहना चाहिए। इसके साथ ही शाला त्यागी एवं शाला अप्रवेशी छात्रों का नामांकन कराकर उनका विशेष ध्यान रखे जाने के निर्देश भी दिए जाने के निर्देश दिए गए।

विधार्थियों का प्रोत्साहन कार्यक्रम आयोजित

पैरामेडिकल उत्तीर्ण विद्यार्थी देश की प्रगति में योगदान देंगे: डॉ. परमहंस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शिवपुरी

श्रीमंत राजमाता विजया राजे सिंधिया चिकित्सा महाविद्यालय के पैथोलॉजी विभाग द्वारा उत्कृष्ट विधार्थी सम्मान समारोह एवं अध्ययनरत विधार्थियों प्रोत्साहन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विगत वर्ष के पैरामेडिकल के उत्तीर्ण उत्कृष्ट विधार्थियों को सम्मानित किया गया एवं उत्तीर्ण विधार्थियों को मंच पर बुलाकर उनके जूनियर्स के सामने विचार और अनुभव साझा कराए गए। सर्वप्रथम पैथलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ.अपराजिता तोमर,डॉ.हेमलता बामोरिया,डॉ.विधानंद पंडित,डॉ.पारूल नेमा,डॉ शिल्पा मोटघोरे,डॉ.सीपी जैसवाल,डॉ.गौरव शर्मा, डॉ.जितेंद्र साहू द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित व पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम में सभी छात्र छात्राओं को सम्बोधित करते हुए अधिष्ठाता डॉ.डी.परमहंस ने कहा कि आप एक ऐसी पढ़ाई कर रहे हैं जिसकी जांच के आधार पर रोग के निदान कर चिकित्सक द्वारा मरीज़ उपचार किया जाता हैं। आप अपने कार्य को पूर्णतः ईमानदारी और निष्ठा भाव से करेंगे ताकि आप देश की प्रगति में अपना योगदान दें सकेंगे। वहीं कार्यक्रम में अधीक्षक डॉ.आशुतोष चौरिषी ने उत्तीर्ण हुए विधार्थियों को शुभकामनाएं दी और उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए वहीं अध्ययनरत विधार्थियों को खूब मेहनत कर एकाग्रता से पढ़ाई करने को कहा। पैथोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ.अपराजिता तोमर ने अपने सम्बोधन में कहा कि विधार्थी स्वच्छ व स्वस्थ मन और धैर्य के साथ पढ़ाई करें, पढ़ाई लिखाई में कोई औपचारिकता नहीं करें। आपका संघर्ष हीं आपको आगे बढ़ने की प्रेरणा देगा। वहीं डॉ अपराजिता तोमर ने विगत वर्ष उत्तीर्ण हुए विधार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य की बधाई दी और कहा कि जहां भी आप नौकरी करें वहां अपने ज्ञान और कौशल से शिवपुरी मेडिकल कॉलेज का नाम रोशन करें।

रपटा पार करते युवक बहा, मौके पर पहुंचे बाढ़ राहत दल ने चलाया रेस्क्यू अभियान

श्योपुर। मानपुर में नदी पार करते समय एक युवक बह गया। सूचना मिलने पर आपदा प्रबंधन की टीम दलबल ने दल बल के साथ मौके पर पहुंच कर रेस्क्यू शुरू कर दिया लेकिन नदी में पानी अधिक होने से देर शाम तक युवक को तलाशा नहीं जा सका। जानकारी के अनुसार मानपुर निवासी गिर्राज पुत्र कन्हैया खटीक उम्र 40 वर्ष किसी काम से मानपुर से काशीपुर जा रहा था इस दौरान नदी के पर बने रपटा को पार करते समय वह बीच नदी में बहाव अधिक हो जाने से बह गया। युवक के नदी में बह जाने की सूचना मिलने के बाद आपदा प्रबंधन को सूचना दी गई जिसके बाद आपदा प्रबंधन मोटर बोट और दूसरे सुरक्षा उपकरण लेकर पहुंच गया लेकिन पानी में गहराई अधिक होने और नदी में मगरमच्छ के खतरे के चलते गोताखोर पानी में नहीं उतर सके। देर शाम तक युवक को तलाशा नहीं जा सका।उक्त योजना के सफल क्रियान्वयन के संबंध में आज 07 जुलाई 2025 को अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्री गिरराज दुबे द्वारा वी.सी. के माध्यम से आजीविका मिशन एवं मनरेगा के समस्त स्टाफ को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। प्रथम चरण में गुना जिले के प्रत्येक विकासखण्ड में मनरेगा की पात्रता अनुसार 100 हितग्राहियों को लाभांवित किया जावेगा, जिस हेतु प्रारंभिक तौर पर 500 हितग्राहियों को चिन्हांकित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

शिविर में दिव्यांगजनों का किया जाएगा स्वास्थ्य परीक्षण

गुना। गुना जिले के दिव्यांगजनों की सुविधा एवं लोकहित की दृष्टि से जिले के नगरीय/ग्रामीण निकायोंमें दिव्यांगजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाकर दिव्यांगता प्रमाण-पत्र/यूडीआईडी कार्ड प्रदाय किये जायेंगे।जारी आदेशानुसार गुना में दिनांक 09 जुलाई को जिला चिकित्सालयगुना में, राघौगढ़ में दिनांक 10 जुलाई को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र राघौगढ़ में, मक्सूदनगढ़ में दिनांक 11 जुलाई को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रमक्सूदनगढ़ में, बमोरी में दिनांक 14 जुलाई को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रबमोरी में, आरोन में 15 जुलाई को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र आरोन में,चांचौड़ा में 16 जुलाई को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चांचौड़ा तथा कुंभराज में17 जुलाई 2025 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कुंभराज में शिविर का आयोजन किया जायेगा।

जिले की धरती पर कदम रखते ही जनता हुई हर्षित, सर्व समाज करेगी मुनि पुगंव की भव्य आगवानी

आज 33 वर्षों बाद नगर में होगा मुनि पुगंव सुधासागर का मंगल प्रवेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अशोकनगर

जैन जगत के विख्यात संत मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ससघं क्षुल्लक श्री गम्भीर सागर जी महाराज क्षुल्लक श्री वरिष्ठ सागर जी महाराज क्षुल्लक श्री विदेह सागर जी महाराज ससघं का आज जिले की सीमा में प्रवेश करने पर मध्य प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष पूर्व सांसद डॉ के पी यादव विश्व हिन्दू परिषद के प्रांत धर्म प्रमुख डॉ दीपक मिश्रा जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासल महामंत्री राकेश अमरोद मध्य प्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा डॉ जय मंडल यादव डॉ डी के जैन डॉ हरवीर सिंह रधुवंशी पूर्व भाजपा अध्यक्ष जयकुमार सिंघ ई सहित सैंकड़ों लोग ने जिले में भव्य स्वागत किया दस जुलाई को प्रातः काल की वेला में मुनि संघ का गुना रोड़ से भव्य मंगल प्रवेश होगा इस हेतु सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है

इस दौरान धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने कहा कि सारे भारत के लोग नियम ले ले कि हम नदियों को गंदा नहीं करेंगे तो नदी तुम्हारे लिए वो जल देगी कि तुम्हारी बीमारियां दूर हो जाएंगी। हमें यह सोचना है कि हम हवाओं को गंदा नहीं करेंगे, हवाएं ऑक्सीजन बन जाएगी। हमें क्या अच्छा लग रहा है हम यह ही नहीं सोचें, यह भी सोचें कि पड़ोसी को क्या अच्छा लगता है। हम यह नहीं सोचें कि हमें क्या अच्छा लगता है, हम यह भी सोचें कि मेरे माँ बाप को क्या अच्छा लगता है, मेरे गुरु को क्या अच्छा लगता है, मेरी पत्नी को क्या अच्छा लगता है और पत्नी सोचें कि मेरे पति को क्या अच्छा लगता है। यदि ऐसा संसार हो जाये तो हर व्यक्ति एक दूसरे की सोच रहा होगा उक्त आशय के उद्गार परम पूज्य आध्यात्मिक संत मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने अशोक नगर नगर प्रवेश के पूर्व शाढ़ौरा में धर्म सभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

कष्टों के बीच से भी शुभ शगुन निकलते हैं

उन्होंने कहा कि यह मत समझना कि जहां तुम्हें कष्ट है, दुख है, वहां तुम्हारा अशुभ दिन है। कष्टों के बीच से भी कई बार शुभ शगुन निकलता है। रात को तुम अंधेरी रात मत मानो, वो रात प्रातः काल की तैयारी है। जहां रात नहीं होती, वहां प्रातः काल नहीं होता, शगुन नही होता, शुभबेला नहीं होती। कुछ देश ऐसे हैं जहां रात नहीं होती, 6-6 महीनें तक दिन ही बना रहता है। ज्योतिष शास्त्रों में लिखा है कि जहां सदा उजेला बना रहता है, वहाँ कभी शगुन, शुभ नहीं होता, उनका जीवन मंगलमय नहीं होता। अंधेरी रात के बाद जब प्रकाश मिलता है, वह प्रत्युषकाल, प्रातःकाल शगुन माना जाता है। उस सूर्य को जो शुभ बनाया है, रात ने बनाया है। इसी प्रकार ये मत समझना तुम्हारा जीवन दुःखमय है, तुम परेशान हो तो तुम्हारा भविष्य अंधकारमय है ऐसा नहीं। अंधकार की रात्रि के समान कई बार जीवन में आये हुए दुःख, कल के लिए शगुन बन जाते है।

बेटे के हित में ही सोचती है मां

उन्होंने कहा कि माँ यह नहीं सोचती है कि बेटे को क्या अच्छा लग रहा है? माँ यह सोचती है कि बेटे का हित किसमें है? बस यही है धर्म और विज्ञान का अंतर, विज्ञान वो वस्तु है जो तुम्हें अच्छा लगता है, हमें कोई लेना-देना नहीं, तुम्हारा भविष्य अच्छा हो या न हो। ऐसी दवाई देता हूँ जिससे पाव भर किलो की लौकी, रात भर में 5 किलों की हो जाएगी। धर्म कहता है कि नहीं, तुम माँ हो, तुम्हे वह उपदेश देना है, जो इनके लिए हितकारी हो। जो चीज तुम्हें अच्छी लग रही है, मन को, इन्द्रियों को, आँखों को, कानों को, मत समझ लेना कि यह तुम्हारे लिए हितकारी होगी। जो वस्तु तुम्हें अच्छी नहीं लग रही है तो यह विचार करना इसको देने वाला कौन है? भोजन किसने बनाया है, यदि पता चले कि माँ ने बनाया है तो आँख बन्द करके खा जाना, इसी में तुम्हारा कल्याण है। हमारे यहाँ भोजन का महत्व नहीं है, परोसने वाले का महत्व है। ठीक दवाई से होना है लेकिन खोज वैद्य करना है। ऐसे ही धर्म को नहीं समझना है, धर्म गुरु को समझ लो।

मन न लगे तब भी मन्दिर जाना चाहिए

उन्होंने कहा कि तुम्हारा मंदिर जाने का मन नहीं करें तो बस इतना पूछ लेना कि यह मंदिर जाने का आदेश किसने दिया है? यदि तुम्हें पता चले कि ये आदेश मेरे गुरु ने दिया है, मेरे भगवान ने दिया है तो मन न लगे तब भी चले जाना, इसी में तुम्हारा कल्याण है।